Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 28 अंक- 126 रायपुर, शनिवार 31 मई 2025 पृष्ठ-8 मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

166 स्कूलों का होगा समायोजन: युक्तियुक्तकरण से हजारों स्कूल के बंद होने की बातें भ्रामक

विभाग ने कहा- असलियत इससे बिल्कुल अलग, व्यवस्था को बेहतर बनाने की कोशिश

रायपुर, 31 मई (हाईवे चैनल)। शिक्षा विभाग ने कतिपय संगठनों एवं व्यक्तियों द्वारा युक्तियुक्तकरण से हजारों की संख्या में स्कूलों के बंद होने की बात को पूरी तरह से भ्रामक और तथ्यहीन बताया है. स्कूल शिक्षा विभाग ने कहा है कि असलियत इससे बिल्कुल अलग है. प्रदेश सरकार की ओर से जारी युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया का उद्देश्य किसी की पढ़ाई रोकना नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना है.

राज्य के कुल 10,463 स्कूलों में से सिर्फ 166 स्कूलों का समायोजन होगा. इन 166 स्कूलों में से ग्रामीण इलाके के 133 स्कूल ऐसे हैं, जिसमें छात्रों की संख्या 10 से कम है और एक किलोमीटर के अंदर में दूसरा स्कूल संचालित है. इसी तरह शहरी क्षेत्र में 33 स्कूल ऐसे हैं, जिसमें दर्ज संख्या 30 से कम हैं और 500 मीटर के दायरे में दूसरा स्कूल संचालित है. इस कारण 166 स्कूलों को बेहतर शिक्षा के उद्देश्य से समायोजित किया जा रहा है, विभाग ने दलील दी कि इससे किसी भी स्थिति में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी. शेष 10,297 स्कूल पूरी तरह से चालू रहेंगे. उनमें केवल प्रशासनिक और शैक्षणिक स्तर पर आवश्यक समायोजन किया जा रहा है. स्कूल भवनों का उपयोग पहले की तरह ही जारी रहेगा और जहाँ आवश्यकता होगी, वहाँ शिक्षक भी उपलब्ध रहेंगे. यहाँ स्पष्ट करना जरूरी है कि स्कूलों का समायोजन और बंद होना अलग चीज है. समायोजन का अर्थ है पास के स्कूलों को एकीकृत कर बेहतर संसाधनों का उपयोग. इसका मकसद बच्चों को अच्छी शिक्षा देना है, न कि स्कूल बंद करना. शिक्षा विभाग ने लोगों से अफवाहों से सावधान रहने की अपील की है. सच्चाई यह है कि राज्य सरकार स्कूलों को मजबूत करने, पढ़ाई की गुणवत्ता बढ़ाने और हर बच्चे को बेहतर शिक्षा देने की सुदृढ़ व्यवस्था में जुटी है.

रानू साहू, सौम्या चौरसिया समेत 6 आरोपी जेल से रिहा, छत्तीसगढ़ से रहना होगा बाहर

रायपुर, 31 मई (हाईवे चैनल)। सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद निर्लबित आईएएस अफसर रानू साहू, समीर विश्नोई, सौम्या चौरसिया, रजनीकांत तिवारी, वीरेंद्र जायसवाल और संदीप नायक आज 31 मई 2025 को जेल से रिहा हो गए। सौम्या चौरसिया दिसंबर 2022 और रानू साहू जुलाई 2023 से जेल में बंद थी। ईडी ने इन्हें कोल लेव्ही घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया था। बाद में ईडी के अलावा छत्तीसगढ़ एसीबी ईओडब्ल्यू द्वारा भी इनके खिलाफ कोल घोटाला, डीएमएफ घोटाला, भ्रष्टाचार के अलग-अलग केस दर्ज किया था। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस दीपांकर दत्ता की खंडपीठ ने जमानत याचिका पर सुनवाई की। गवाहों को प्रभावित करने की आशंका के चलते कोर्ट ने सभी आरोपियों को छत्तीसगढ़ में रहने पर पाबंदी लगा दी है। उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करना होगा और रिहाई के एक सप्ताह के भीतर नया पता जांच एजेंसी व स्थानीय थाने में दर्ज करना होगा।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुसार, कोयला परिवहन में ऑनलाइन परमिट को ऑफलाइन करने जैसे तरीकों से 570 करोड़ रुपये की अवैध वसूली की गई। खनिज विभाग के तत्कालीन संचालक समीर विश्नोई ने 15 जुलाई 2020 को ऑफलाइन परमिट का आदेश जारी किया था। कोल कारोबारी सूर्यकांत तिवारी को इस घोटाले का मास्टरमाइंड बताया गया, जो 25 रुपये प्रति टन की दर से वसूली करवाता था। घोटाले में निर्लबित आईएएस रानू साहू, समीर विश्नोई, सौम्या चौरसिया (पूर्व मुख्यमंत्री की उपसचिव), सूर्यकांत तिवारी सहित अन्य शामिल थे। ईडी की छापेमारी में कई गिरफ्तारियां हुईं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने दो पूर्व मंत्रियों, विधायकों सहित 36 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जांच तेजी से चल रही है। डीएमएफ (डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन) घोटाला छत्तीसगढ़ में खनन प्रभावित क्षेत्रों के लिए बनाए गए डीएमएफ फंड के दुरुपयोग से संबंधित है। डीएमएफ एक गैर-लाभकारी ट्रस्ट है, जो खनन कार्यों से प्रभावित लोगों और क्षेत्रों के कल्याण के लिए 2015 में माइन्स एंड मिनरल्स (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) संशोधन अधिनियम के तहत स्थापित किया गया था। इस फंड में खनन कंपनियों से रॉयल्टी का 10-30ब हिस्सा जमा होता है, जिसका उपयोग खनन प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और आजीविका जैसे कार्यों के लिए किया जाता है। छत्तीसगढ़ में डीएमएफ घोटाले में कथित तौर पर 75 करोड़ रुपये की अनियमितता का आरोप है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की जांच में दावा किया गया है कि डीएमएफ फंड का दुरुपयोग कर फर्जी बिलों, अनुचित ठेकों और गैर-कानूनी गतिविधियों के जरिए धन की हेराफेरी की गई। इस मामले में निर्लबित आईएएस रानू साहू, समीर विश्नोई, पूर्व मुख्यमंत्री की उपसचिव सौम्या चौरसिया, कोल कारोबारी सूर्यकांत तिवारी और अन्य शामिल हैं। ईडी और ईओडब्ल्यू का दावा है कि डीएमएफ फंड का उपयोग गैर-कानूनी तरीके से किया गया, जिसमें फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भुगतान और अनुचित ठेके दिए गए।

ब्रेकिंग न्यूज

पत्नी को फांसी पर लटकाया दो को उम्र कैद की सजा

कोरबा, 31 मई (हाईवे चैनल)। पति ने अपने चचेरे भाई के साथ मिलकर पत्नी की गला घोंट कर जान ले ली फिर फांसी के फंदे पर लटका कर खुदकुशी बताता रहा। मामले में दोषसिद्ध होने पर दोषियों को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया गया है। अतिरिक्त लोक अभियोजक कृष्ण कुमार द्विवेदी ने बताया कि घटना उरगा थानांतर्गत ग्राम तरदा में 10 मई 2024 को घटित की गई थी। तरदा के भांठापारा में रहने वाले राजू कुर्रे पिता स्व.रामप्रसाद कुर्रे 29 वर्ष का विवाह सुनिता बाई से हुआ था। राजू अपनी पत्नी को आए दिन मायके से नगदी व सामान लाने की बात कहकर प्रताड़ित करता था। जब राजू की मांग बढ़ती गई, तो विवाहिता ने मना करना शुरू कर दी जिससे राजू ने पत्नी को मौत के घाट उतारने साजिश रच डाली। उसने साजिश में अपने चचेरे भाई मनोज कुमार कुर्रे पिता स्व.मंगलूराम कुर्रे 33 वर्ष को भी शामिल कर लिया। राजू ने चचेरे भाई के साथ मिलकर सुनीता की गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस को गुमराह करने उसके शव को साड़ी के सहारे करीब 8 फीट ऊंचे मयार में फांसी का फंदा बना कर लटका दिया। उसके बाद आत्महत्या की सूचना अपनी भाभी और पुलिस को दी। पुलिस ने मर्ग जांच में हत्या की पुष्टि होने पर दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 302, 201 व 120 बी के तहत जुर्म दर्ज कर गिरफ्तार करने की कार्रवाई की। ।

चालान पेश करने के मात्र सात महीने में कोर्ट ने सुनाया फैसला

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, 31 मई (हाईवे चैनल)। मामूली विवाद पर पुत्र की धारदार हथियार से हत्या करने वाले पिता को एडीजे कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. कोर्ट ने चालान पेश किए जाने के बाद मात्र 7 माह के भीतर अपना फैसला सुनाया है.

मामला थाना गौरेला का है, जहां बीते अगस्त को गौरेला के वार्ड क्रमांक 2 सावंतपुर निवासी पिता राजेन्द्र साठे उर्फ राजू ने मामूली विवाद पर अपने पुत्र दिनकर राव पर चाकू से हमला कर दिया था, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी.

रायपुर में सुबह से हुई मूसलाधार बारिश

रायपुर, 31 मई (हाईवे चैनल)। सुबह से मूसलाधार बारिश हो रही है, साथ में बादल गरज रहा है मानसून जल्द आने और ससाहभर पश्चिमी विक्षोभ तथा अन्य सिस्टम के कारण हुई बारिश ने मई को तरबतर कर दिया। प्रदेश के अधिकांश जिलों में मई के 30 दिनों में नार्मल से बहुत अधिक बारिश हो चुकी है। दंतेवाड़ा में सबसे ज्यादा 2788 फीसदी तक अधिक वर्षा हुई है।

मौसम विभाग के 29 में से चार जिलों में ही औसत से कम बारिश हुई है। गौरला-पेंड्रा-मरवाही के डेटा नहीं आए हैं। इस तरह 24 जिलों में औसत से ज्यादा बारिश हो चुकी है। अभी महीना पूरा होने में एक दिन शेष है। हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि अब बारिश की गतिविधियों में थोड़ी कमी आएगी। छत्तीसगढ़ में मानसून के पहुंचने की सामान्य तारीख 10 जून है। यह पिछले कुछ सालों से 12 जून या उसके बाद ही पहुंचता रहा है। इस साल 27 मई यानी सामान्य तारीख से करीब 15 दिन पहले ही मानसून बस्तर पहुंच गया।

मुख्यमंत्री साय ने समाधान शिविर में लगे विभिन्न विभागों के स्टॉलों का किया निरीक्षण

धमतरी, 31 मई (हाईवे चैनल)। मुख्यमंत्री श्री साय ने धमतरी में आयोजित समाधान शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया और हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं के तहत सामग्रियों का वितरण किया।

■ हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं के तहत सामग्रियों का किया वितरण

मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों को गणवेश वितरण,सोलर पंप वितरण और वी 1 का वितरण किया.आवास योजना के हितग्राहियों को नए पक्के घरों की चाबी दी.मुख्यमंत्री की मौजूदगी में शिविर स्थल पर गर्भवती महिलाओं की गोद भराई रस्म भी निभाई गई. इस दौरान जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम राम वर्मा, सांसद रूपकुमारी चौधरी विधायक कुरुद अजय चंद्राकर महापौर रामू रोहरा, जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सावा, पूर्व विधायक श्रीमती रंजना साह, इन्दर चंद चोपडा के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रभारी आई जी रायपुर रामगोपाल गर्ग, कलेक्टर अबिनाश मिश्रा, एस पी सूरज सिंह परिहार के साथ ही मुख्यमंत्री के सचिव बसवा राजू, प्रमुख सचिव सुबोध सिंग उपस्थित रहे.

धर्मांतरण के नाम पर बवाल, 9 हिरासत में

दुर्ग, 31 मई (हाईवे चैनल)। दुर्ग जिले में धर्मांतरण को लेकर गुरुवार देर रात जमकर बवाल हुआ। आधी रात को रायपुर नाका स्थित एक घर पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने धावा बोल दिया। सूचना मिलते ही पद्मनाभपुर पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने ९ लोगों को हिरासत में लिया है।

मिली जानकारी के मुताबिक रायपुर नाका निवासी राजेश पटेल, पत्नी मधु के घर पर बाहर से कुछ लोग आए थे और वह हिंदू देवी देवताओं के ऊपर अभद्र टिप्पणी कर रहे थे। प्रार्थना सभा में मोहल्ले के भी कुछ लोग थे, जिन्हें धर्मांतरण से जुड़ी हुई बातें बताई जा रही थी। वहां मौजूद कुछ लोगों ने इसकी सूचना बजरंग दल को दे दी। जिसके बाद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने वहां आकर हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और नौ लोगों को वहां से हिरासत में लिया गया। पुलिस का कहना है कि हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है। जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

24 घंटे में ही सामने आए 511 नए मामले, 7 की मौत

नई दिल्ली, 31 मई (न्यूज चैनल)। पिछले एक महीने से दुनियाभर में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामले चिंता बढ़ाते जा रहे हैं। भारत में भी इसका जोखिम देखा जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के कोविड डैशबोर्ड पर साझा की गई जानकारियों के मुताबिक 22 मई को देश में कुल एक्टिव केस 257 थे जो 10 दिनों के भीतर ही अब बढ़कर 2710 हो गए हैं। एक दिन के भीतर ही 511 नए सक्रिय मामले सामने आए हैं और 7 लोगों की मौत हुई है।

कोरोना जिस रफ्तार से देश में बढ़ रहा है वह निश्चित ही लोगों के लिए डर पैदा कर रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ पहले से ही कहते रहे हैं कि इस बार फैल रहा वैरिएंट अति संक्रामक है, हालांकि इसकी गंभीरता कम है। चिंताजनक बात ये है कि अगर ये संक्रमण किसी आबादी में फैलना शुरू होता है तो वहां लोग तेजी से इसकी चपेट में आ सकते हैं। ये स्थिति उन लोगों के लिए दिक्कतें बढ़ाने वाली और गंभीर भी हो सकती है जो 65 साल से अधिक उम्र के हैं, कोमोरबिडिटी (एक से अधिक क्रॉनिक बीमारियों का शिकार) हैं या फिर गर्भवती हैं।

राज्यपाल के गोद ग्राम में पहुंचा प्रशासन, अधिकारी ने ग्रामीणों से स्वच्छ और सुंदर ग्राम बनाने पर चर्चा की

गरियाबंद, 31 मई (हाईवे चैनल)। राज्यपाल रमन डेका के बिजली ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम मड़वाडी को गोद लिए जाने की खबर लगते ही गरियाबंद जिला पंचायत के सीईओ जीआर मरकाम प्रशासनिक अमले के साथ पहुंचे. ग्राम के प्राथमिक शाला परिसर में चौपाल लगाकर ग्राम प्रमुखों से ग्राम को स्वच्छ व सुंदर बनाने पर चर्चा किए.

पंचायत आधिकारी ने प्रशासनिक अमले के साथ पैदल चलकर ग्राम के गली मुहल्ले तालाब, गौठान, स्कूल, आँगनबाड़ी की विभाग प्रमुखों की उपस्थिति में निरीक्षण कर जर्जर भवनों को जीर्णोद्धार व वातानुकूलित बनाकर व्यवस्था सुदृढ़ करने निर्देशित किए.ग्रामीणों से चर्चा कर विकास की सम्भावनाएं तलाशने व शासकीय योजनाओं की उन्हें अधिक से अधिक लाभ पहुंचाकर सक्षम व आर्थिक रूप से सम्पन्न किए जाने कार्ययोजना बनाने विभागीय कर्मचारियों को निर्देशित किए, बता दें कि लम्बे अरसे बाद गिनती मात्र के 68 परिवार के कुल 239 की जनसंख्या वाले छोटे से ग्राम मे जिले के आला अधिकारियो के पहुंचने व उनका हाल पुछने से ही ग्रामीणों के चेहरा मे एक अजीब सा मुस्कान देखने मिला. ग्रामीणों भी इस बात से उत्साहित हैं कि प्रदेश के राज्यपाल द्वारा ग्राम को गोद लिए जाने से अब विकास अपार संभवनाये होने के साथ अब एक अपनी अलग से पहचान होगी. ग्रामीणों मे काफी खुशी देखने को मिली.

गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व में बाघिन ने दो नन्हें शावकों को दिया जन्म, वन विभाग ने बढ़ाई निगरानी

कोरिया, 31 मई (हाईवे चैनल)। गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व क्षेत्र में बाघ शावकों के रूप में दो नन्हे मेहमानों का आगमन हुआ है। बाघिन ने नेशनल पार्क और सोनहत रेंज की सीमा पर भलुआर के जंगल में दो शावकों को जन्म दिया है। सूचना मिलने पर सोनहत रेंजर अजीत सिंह ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचे थे, लेकिन तब बाघिन दोनों शावकों को लेकर अन्यत्र चली गई थी। पूरे मामले का उल्लेखनीय पहलू यह है कि गुरु घासीदास पार्क के परिक्षेत्र अधिकारी सोनहत और कार्यालय को इस बात की कोई जानकारी नहीं थी। पार्क एरिया कोरिया जिला के सोनहत विकासखंड से सटा हुआ है, पांच किमी आगे जाने के बाद मेंड़ा जंगल से पार्क क्षेत्र शुरू हो जाता है।

वन अमले को उक्त जानकारी शुक्रवार को भलुवार निवासी एक ग्रामीण संदीप सिंह के माध्यम से मिली। ग्रामीण की नजर भलुवार में अपने खेत से घर जाते वक्त अचानक शावकों पर पड़ी, तो उसने उनकी तस्वीर ली, लेकिन डर के कारण किसी को नहीं बताया। जानकारी मिलने पर वन परिक्षेत्र अधिकारी अजीत सिंह तत्काल अपने दल-बल के साथ मौके के लिए रवाना हुए और बताए गए स्थल पर पहुंचे। हालांकि मौके पर शावक और बाघिन नहीं मिले और बारिश के कारण पंजों के निशान भी मिट गए थे। उन्होंने आस-पास के गांव के ग्रामीणों को भी बुलाकर बातचीत की। ग्रामीणों ने भी शावकों के साथ बाघिन को आज ही देखे जाने की पुष्टि की। वन परिक्षेत्र अधिकारी अजीत सिंह ने ग्रामीणों को जंगल से दूरी बनाए रखने, संवेदित स्थान के आसपास न जाने और किसी भी प्रकार की जानकारी मिलने पर तत्काल सूचित करने को कहा है।

बिरादरी की बात

चूहा- सुनती हो, पीएम मोदी कह रहे हैं कि देश में दुश्मन कहीं भी हो खत्म कर देंगे।

चुहिया- हां जी, लेकिन यहां तो कोने-कोने में दुश्मन भरे हैं...!